

हिमालयी क्षेत्र में जलवायु-अनुकूल सड़क ढांचा विकसित करना बड़ी चुनौती : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, ढलानों की अस्थिरता और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।



गडकरी ने 'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है। वहीं, सुरंग और सड़क परियोजनाओं के लिए भू-वैज्ञानिक जांच और

डिजाइन की पुष्टि, सुरंगों की सुरक्षा जांच और निगरानी जैसे काम किए जा रहे हैं। गडकरी ने बताया कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कों लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें वास्तविक समय पर निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। इसके अलावा, उत्तराखंड में

पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन रखने वाले घरों को चिह्नित कर रही सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार रसोई गैस पर दी जाने वाली सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने और पात्र उपभोक्ताओं तक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन रखने वाले घरों को चिह्नित कर रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत 14 मार्च को जारी अधिसूचना में एलपीजी आपूर्ति एवं वितरण आदेश, 2000 में संशोधन करते हुए पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी कनेक्शन रखना या या उसे भराने को प्रतिबंधित कर दिया था। मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बृहस्पतिवार को एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोहरा गैस कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं का अकालन किया जा रहा है। अब तक 43,000 से अधिक ऐसे उपभोक्ता अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हालांकि यह संख्या अपेक्षा से कम है। हमें यह आंकड़ा अधिक होने की उम्मीद है।

संशोधित आदेश के अनुसार, पीएनजी कनेक्शन रखने वाले उपभोक्ताओं को अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन तत्काल सरेंडर करना होगा। इसके अलावा पीएनजी कनेक्शन धारकों को नया एलपीजी कनेक्शन लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी तेल कंपनियों और उनके वितरकों को ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी कनेक्शन देने या सिलेंडर भरने से मना किया गया है। यह कदम उन घरों के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनके पास पाइपयुक्त रसोई गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध नहीं है। पश्चिम एशिया संघर्ष से उर्जा आपूर्ति पर बने वैश्विक दबाव के बीच भारत के लिए अपने गैस आवंटन को नए सिर से समायोजित करना पड़ रहा है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल, 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस और 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है। मौजूदा हालात में सरकार ने नए एलपीजी कनेक्शन जारी करने पर भी फिलहाल रोक लगा दी है।



पूरी दुनिया गुजरात के 'विकास मॉडल' से प्रभावित : मुख्यमंत्री पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के 66वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के विकास मॉडल ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने एक म्यान को मनाए जाने वाले 'गुजरात गौरव दिवस' की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए राज्य के विकास का श्रेय सामूहिक प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। पटेल ने कहा, "पूरी दुनिया गुजरात के विकास मॉडल से प्रभावित है और आज गुजरात की ओर आकर्षित है।" उन्होंने कहा कि यह दिन राज्य के महान नेताओं और लोगों के योगदान को स्वीकार करने का अवसर है। उन्होंने महाना गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, स्वामी दयानंद सरस्वती, श्यामजी कृष्ण वर्मा और अन्य हस्तियों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन को याद

किया, जिनकी प्रेरणा ने गुजरात के विकास को दिशा दी। मुख्यमंत्री ने एक मई, 1960 को राज्य के गठन का जिक्र करते हुए कहा कि इस बात पर संदेह जताया गया था कि रोगरतान, समुद्र तट और पहाड़ियों वाले क्षेत्र की प्रगति कैसे होगी। पटेल ने कहा, "लेकिन गुजरात के 1960 से 2000 तक के चार दशकों के विकास और 2001 के बाद के ढाई दशकों की निर्बाध विकास यात्रा के बीच स्पष्ट अंतर सभी देख सकते हैं।" उन्होंने राज्य में "विकास की राजनीति" की नींव रखने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में गुजरात देश के लिए एक आदर्श के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, "लोगों ने मोदी के नेतृत्व पर अपना विश्वास बरकरार रखा है। गुजरात ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ज्योतिषग्राम योजना के माध्यम से गांवों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।"

उत्तराखंड: केदारनाथ धाम में एक सप्ताह में जमा किया गया एक हजार किलो प्लास्टिक कचरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में 'हरित चारधाम यात्रा' अभियान के तहत पहले ही सप्ताह में केदारनाथ धाम में करीब 1,000 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। उन्होंने बताया कि साथ ही नगर पंचायत गीले कचरे के निस्तारण के लिए पक्के गड्डे बनाने की योजना पर भी काम कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से धाम में लगभग 3,000 वर्गफुट क्षेत्र में 'मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी' स्थापित की गई है, जहां एकात्रित प्लास्टिक और ठोस कचरे को 15 अलग-अलग श्रेणियों में छांट जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही प्लास्टिक की खाली बोतलों सहित अन्य प्रकार का कचरा भी बड़ी मात्रा में जमा हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि धाम को प्लास्टिक कचरे से मुक्त रखने के प्रयासों के तहत नगर

पंचायत केदारनाथ ने यात्रा के पहले सप्ताह में ही लगभग 1,000 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया है। उन्होंने बताया कि साथ ही नगर पंचायत गीले कचरे के निस्तारण के लिए पक्के गड्डे बनाने की योजना पर भी काम कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से धाम में लगभग 3,000 वर्गफुट क्षेत्र में 'मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी' स्थापित की गई है, जहां एकात्रित प्लास्टिक और ठोस कचरे को 15 अलग-अलग श्रेणियों में छांट जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही प्लास्टिक की खाली बोतलों सहित अन्य प्रकार का कचरा भी बड़ी मात्रा में जमा हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि धाम को प्लास्टिक कचरे से मुक्त रखने के प्रयासों के तहत नगर

जामिया के कुलपति की 'महादेव डीएनए' टिप्पणी विभाजनकारी नहीं: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति मजहर आसिफ की इस टिप्पणी का बृहस्पतिवार को समर्थन किया कि सभी भारतीयों में महादेव का डीएनए है। पार्टी ने कहा कि इस बयान को लेकर की जा रही आलोचना सम्यतागत विचारों के प्रति घटती सहिष्णुता को दर्शाती है। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आसिफ की टिप्पणी की शाब्दिक व्याख्या करना और फिर उसे अवैज्ञानिक बताकर खारिज करना उसके व्यापक अर्थ को नजरअंदाज करने के समान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संदर्भ में इस तरह की टिप्पणियां वैज्ञानिक प्रयोग पर आधारित दावों के बजाय सम्यतागत उपमाएं होती हैं। मालवीय ने कहा, ये (टिप्पणियां) एक साझा वंश, सांस्कृतिक निरंतरता और सहस्राब्दियों में आकार लेने वाली सामूहिक चेतना को दर्शाती हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 साल पूरे

होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित युवा कुंभ कार्यक्रम के दौरान आसिफ की ओर से की गई कथित टिप्पणियों का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया, जिसके बाद वह विवादों में घिर गए। वीडियो में आसिफ यह कहते सुने जा सकते हैं, "सभी भारतीयों का डीएनए महादेव से जुड़ा हुआ है। यहां बैठे सभी लोगों को देखकर मुझे नहीं लगता कि इन सभी की मातृभाषा, परवरिश या संस्कृति एक है। उन्होंने कहा, भौगोलिक लिहाज से, और मैं यह बात भौगोलिक संदर्भ में कह रहा हूं, हो सकता है कि वे एक ही क्षेत्र से न हों। उनका धर्म भी अलग-अलग हो सकता है। फिर भी, इन सबके बावजूद, हम भारतीय हैं। हम भारतीय हैं, क्योंकि हमारे अंदर महादेव का डीएनए है। 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं कर सकी है। मालवीय ने कहा कि आसिफ की टिप्पणियां विभाजनकारी नहीं, बल्कि जोड़ने वाली हैं और लंबे समय से चली आ रही बौद्धिक परंपरा को प्रतिध्वनित करती हैं, जो धार्मिक सीमाओं से परे है और भारत के लोगों को एक साझा सम्यतागत विरासत के उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता देती है।

भारत और इटली सैन्य साजोसामान का सह-उत्पादन करने के लिए रक्षा औद्योगिक ढांचा को मजबूत करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इटली ने बृहस्पतिवार को सैन्य साजोसामान के सह-उत्पादन के लिए एक रक्षा औद्योगिक ढांचा विकसित करने का संकल्प लिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब दोनों देश पश्चिम एशिया संकट सहित एक उभरते सुरक्षा परिदृश्य का सामना कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के बीच नई दिल्ली में हुई वार्ता के दौरान द्विपक्षीय रक्षा और रणनीतिक संबंधों को प्रगाढ़ करने का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने दोनों देशों की सशस्त्र सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग से संबंधित द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना (एमसीपी) 2026-27 का अनावरण किया। सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा, "हमने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और अन्य कचरे को दबाकर 30 से 40 किलोग्राम की गठियों में परिवर्तित कर देती है।



सहयोग पहल के तहत पारस्परिक रूप से लाभकारी रक्षा औद्योगिक सहयोग को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर भी चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और क्रोसेटो ने दोहराया कि भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और आपसी सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। मंत्रालय के अनुसार, "विभिन्न प्रमुख समुद्री मुद्दों पर दोनों प्राचीन समुद्री राष्ट्रों के बीच सहमति को भी

रेखांकित किया गया, जिसमें गुरुग्राम स्थित सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र के माध्यम से सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है।" बैठक से पहले, इतालवी रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय समर रमारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। क्रोसेटो ने सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) के सलामी गारद का निरीक्षण

भी किया। रक्षा संबंधों के व्यापक ढांचे के तहत, दोनों पक्ष अंतरसंचालन और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। दोनों देश रक्षा मंचों और उपकरणों के सह-उत्पादन और सह-विकास के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्वजनिक और निजी हितधारकों के बीच बेहतर साझेदारी और संवाद के रास्ते तलाश रहे हैं।



भारत में 'अमेजन नाउ' पर ऑर्डर में हर महीने 25% की वृद्धि: अमेजन सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की त्वरित आपूर्ति सेवा 'अमेजन नाउ' को मिलने वाले ऑर्डर भारत में हर महीने 25 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेजन के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी ने जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि 'अमेजन नाउ' सेवा के तहत 30 मिनट के भीतर हजारों उत्पादों को घरों तक पहुंचाया जाता है और इस सेवा का उपयोग शुरू करने के बाद 'प्राइम' ग्राहकों की खरीदारी की दर तीन गुना हो गई है। भारत में 'अमेजन नाउ' सेवा की शुरुआत 2025 की पहली तिमाही में की गई थी। शुरुआत में इसे बेंगलूरु के कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित रखा गया था लेकिन फिलहाल यह सेवा दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलूरु में उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि भारत में सफलता मिलने के बाद इस सेवा का विस्तार वैश्विक स्तर पर भी किया गया है और अब यह नौ देशों में करोड़ों ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। अमेजन ने मार्च तिमाही में 18.1 अरब डॉलर की शुद्ध बिज्जी दर्ज की, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान परिचालन आय बढ़कर 23.9 अरब डॉलर हो गई, जो एक साल पहले 18.4 अरब डॉलर थी।

रक्षा कंपनियों का स्वदेशी प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के विकास पर जोर

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक साल पूरे होने वाले हैं और सरकार ने जिस 'आत्मनिर्भर' पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया वह 'और मजबूत' हो रहा है तथा रक्षा क्षेत्र में भारत की निजी संस्थाओं को भी इसी दृष्टिकोण के अनुरूप आगे बढ़ने की आवश्यकता है। यह बात कई रक्षा कंपनियों ने कही। उन्होंने संचार से संबंधित प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों सहित अधिक स्वदेशी प्रणालियों तथा प्रौद्योगिकियां विकसित करने की भी पैरवी की, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील डेटा "भारतीय नियंत्रण में रहे"। मिसाइलों से लेकर वायु रक्षा प्रणाली तक, भारत के कई स्वदेशी मंच और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का उपयोग मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया गया था, जो पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगांव आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने की तैयारियों के बीच ज़ोन और ज़ोन रोधी प्रौद्योगिकियों, साइबर रक्षित जानकारी, घुसपैठ-रोधी क्षमताओं के क्षेत्र में काम करने वाली कई रक्षा कंपनियों ने रक्षा क्षेत्र में निर्मित हो रहे आत्मनिर्भरता के पारिस्थितिकी तंत्र और इस दृष्टिकोण को मजबूत करने में निजी संस्थाओं द्वारा निभाई जा सकने वाली भूमिका को रेखांकित किया है। रक्षा मंत्र 'सीएसटी साइबर एंड डिफेंस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्य तलवार ने कहा कि वह "ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प और हमारी तेजी से आगे बढ़ रही प्रौद्योगिकी बढ़त की एक सशक्त पुष्टि के रूप में देखेंगे"। उन्होंने कहा कि इससे यह रेखांकित हुआ कि जिस सरकार, सुरक्षाबल और उद्योग "साझा उद्देश्य" के साथ काम करते हैं तो भारतीय साइबर रक्षा, घुसपैठ-रोधी क्षमताओं और सटीक ज़ोन-रोधी प्रतिक्रियाएं निर्णायक प्रभाव डाल सकती हैं।

पंजाब : मुख्यमंत्री मान ने संगरूर में खेल स्टेडियम की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संगरूर/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को यहां 14.63 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आधुनिक स्टेडियम की आधारशिला रखी। मान ने इस अवसर पर कहा कि गुणवत्तापूर्ण खेल अवसरचना तक पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ एक मजबूत शिक्षा प्रणाली युवाओं को "उद्देश्य, प्रदर्शन और वैश्विक उपलब्धि" की ओर ले जाने की कुंजी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक सतौज में 4.38 एकड़ में बन रहे स्टेडियम में बैडमिंटन, हैंडबॉल, जूडो, नेटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल,



जिम्नास्टिक, कबड्डी और कराटे सहित कई प्रकार के खेलों का पेशेवर प्रशिक्षण दिया जाएगा और इनसे संबंधी खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर मान ने कहा, यह क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि यह स्टेडियम 14.63 करोड़ रुपये की लागत से

बन रहा है। यह स्टेडियम 4.38 एकड़ क्षेत्र में निर्मित होगा और परिसर में विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा, स्टेडियम में 200 मीटर का एथलेटिक ट्रैक, दशकों और खिलाड़ियों के लिए पवेलियन और एक बहुउद्देशीय इनडोर स्पोर्ट्स हॉल होगा। मान ने कहा कि सतौज में बन रहे आधुनिक खेल स्टेडियम में बच्चों और युवाओं को पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने संतुलित विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जब अच्छी शिक्षा के लिए स्कूल और खेल के लिए उपयुक्त मैदान दोनों उपलब्ध होते हैं, तब बच्चे अपने गांव, राज्य और देश का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन कर सकते हैं।

हनीमून हत्याकांड : 'हमने उसे उसके हाल पर छोड़ दिया है', माई ने किया सोनम से दूरी का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आई सोनम रघुवंशी को लेकर उसके बड़े भाई गोविंद रघुवंशी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनके परिवार ने इस बहुचर्चित प्रकरण की मुख्य आरोपी को उसके हाल पर छोड़ दिया है। इंदौर के कारोबारी ने यह भी कहा कि उन्होंने बहन की मदद के लिए अपनी ओर से कोई वकील नियुक्त नहीं किया है। गोविंद ने यह बयान ऐसे समय दिया, जब ईस्ट खासी हिंस की अदालत में सोनम की जमानत अर्जी मंगलवार को

मंजूर होने के बाद उसके और राजा के परिवारों के बीच का भावनात्मक तनाव सतह पर आ गया है। राजा के परिवार ने सोनम के मायके पक्ष पर जुबानी हमले तेज कर दिए हैं। गोविंद रघुवंशी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "सोनम की जमानत याचिका के बारे में मुझे कोई भी जानकारी नहीं थी। उसे जमानत मिलने की खबर मुझे मीडिया से हासिल हुई। मैंने अपनी बहन की मदद के लिए अपनी ओर से कोई वकील नियुक्त नहीं किया है।" बहरहाल, सोनम को जमानत मिलने के बाद जेल से उसकी रिहाई की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए उसके पिता देवी सिंह रघुवंशी शिलांग में नजर आए थे। इस बारे में पूछे जाने पर गोविंद ने दावा किया कि उनके पिता 'अदालत के आदेश' पर शिलांग



पहुंचे थे और वहां से लौट गए हैं। उन्होंने कहा, "हमने सोनम को उसके हाल पर छोड़ दिया है।" गोविंद ने कहा कि उनके परिवार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह सोनम को इंदौर स्थित अपने घर में नहीं रखेंगे। सोनम को मिली जमानत की शर्तों में यह बात भी शामिल है कि वह ईस्ट खासी हिंस की अदालत की उचित अनुमति के बिना इस क्षेत्र से बाहर नहीं जाएंगी। सोनम को जमानत मिलने के बाद

राजा रघुवंशी के बड़े भाई विपिन ने कहा कि हत्याकांड की मुख्य आरोपी और उसके साथियों से उन्हें जान का खतरा है। विपिन ने सोनम के परिवार पर झूठ बोलने और विश्वासघात का आरोप भी लगाया है। उधर, गोविंद ने कहा कि वह विपिन के इन आरोपों पर "निःशब्द" हैं और राजा का परिवार अपने हित में किसी भी कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेने के लिए स्वतंत्र है। राजा रघुवंशी हत्याकांड नाटकीयता से भरे कई भावनात्मक घटनाक्रमों का गवाह रहा है। इस मामले में सोनम की गिरफ्तारी के बाद गोविंद 11 जून 2025 को अचानक राजा के घर पहुंच गए थे और अपने दिवंगत जीजा की मां से लिफ्टकर फूट-फूटकर रोए थे। गोविंद ने तब दावा किया था कि

उनके परिवार ने सोनम से सारे संबंध तोड़ लिए हैं और अपनी छोटी बहन को अदालत से 'फांसी की सजा' दिलाने के लिए वह राजा रघुवंशी के परिवार की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अधिकारियों ने बताया कि अपने पति राजा रघुवंशी की साजिशण हत्या में शामिल होने के आरोप में सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से नौ जून 2025 को गिरफ्तार किया गया था। वह जमानत मिलने से पहले, 10 महीने से अधिक समय तक शिलांग के जिला कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद रही। राजा रघुवंशी का परिवार ट्रांसपोर्ट के कारोबार से जुड़ा है। उनकी सोनम से शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी और नवविवाहित जोड़ा 20 मई को हनीमून के लिए मेघालय रवाना हुआ था।

सम्भ्रान्तता चाहिए कि उन्हें शहरों में
अन्य नागरिकों के लिए परेशानी
नहीं पैदा करनी चाहिए। उन्होंने
नगरपालिकाओं से रेहड़ी पट्टी
वालों के लिए उपयुक्त स्थान
आवंटित करने और उनकी मदद
करने की अपील की।

छतने ने कहा कि बंगलूर में जो
घरना घटी है, वह अन्य स्थानों पर
भी हो सकती है, इसलिए सरकार
को एहतियात बरतना चाहिए।
उन्होंने कहा, सरकार को रेहड़ी
पट्टी वालों और छोटे व्यापारियों की
मदद करने की कोशिश करनी
चाहिए। मुख्यमंत्री सिरमय्या ने
परिसर की दीवार गिरेने की घटना
की जांच के आदेश दिए हैं और
प्रत्येक मृतक के परिवारों को पांच
लाख रुपये का मुआवजा देने की
घोषणा की है।



इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि अगर काफी अनुभव वाले वरिष्ठ नेता खरगे मुख्यमंत्री

बान्ते हैं तो सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में हरे कोई स्वागत करेगा।
खरों ने परमेश्वर के बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, “आप (मीडिया), यह (परमेश्वर) कहते हैं कि अगर मैं (गुच्छमयी) बन जाऊँ तो बेहतर हूँ। लेकिन भाग्य से कहीं ज्यादा, मेरी विचारधारा के अनुसार और पार्टी के लिए अब तक की गई मेरी सेवा के अनुसार, सोनिया गांधी मेरे संबन्ध में निर्णय लेती हैं।”
उनका यह भी कहना था, लेकिन, अब वह सवाल ही नहीं उठता। यहाँ पहले से ही एक मुख्यमंत्री हैं। अगर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मुझे मिलकर बदलाय की दिशा में कोई फैसला लेना है, तो इसमें कुछ समय लगेगा। “चलिए, इंतजार करते हैं और देखते हैं।”

कांग्रेस सरकार द्वारा 20 नवंबर, 2025 को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री के संभावित बदलाव की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ दल के भीतर नेतृत्व की खींचतान तेज हो गई है। जनता दल (एस) के नेता और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बयान दिया है कि कांग्रेस में नेतृत्व की खींचतान के बीच लगभग 40 कांग्रेस विधायकों ने अगले महीने दिल्ली के लिए टिकट बुक किया है।

हानी चाहिए।” पुलिस के मुताबिक भारी बारिश के चलते जब कुछ लोग पहाड़ी की दीवार के पास शुरु हो गए हुए थे तभी दीवार गिर गई। फलस्वरूप छह साल की एक बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। हताहतों में केरल के लोग भी शामिल थे जो “स्टडी टूर पर” बेंगलूर आए थे। कोर्टों द्वारा न केवल व्यापारिता जाबाबदेह की मांग करते हुए कहा, विशेषकर सार्वजनिक इमारत वाले क्षेत्रों में खर्चजालक पहातों और कमजोर चहारदीवारी की पहले पहचान की जानी चाहिए। इनका परम्पत किये जाना चाहिए, या फिर ध्वस्त किये फिर से बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बीबीएमपी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी तय की जाएगी। न्यायमूर्ति पाटिल ने कहा कि सुनवाई की कार्यवाही और एहतियाती कार्रवाई शुरु की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने लिए जिम्मेदार लोगों से पूछताछ की जाएगी, यह पता लगाया जाएगा कि घटना को कैसे रोका जा सकता था और इसे क्यों नहीं रोका गया।

घटनास्थल जांच अधिकारियों की एक टीम तथा फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की एक टीम ने भी

घटनास्थल का निरीक्षण किया जबकि पुलिस ने जांच के लिए 'कोविल स्ट्रीट' को बंद किया है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि बारिश से संबंधित घटनाओं के मद्देनजर सरकार ने उपाय शुरू कर दिए हैं। उन्होंने जरूरी तैयारियाँ पंजोर दिया।

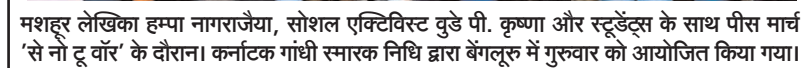
उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'कल रात से ही हमने बारिश के संबंध में उपाय शुरू कर दिए हैं। जब भारी बारिश होती है, तो हमें तैयार रहना चाहिए और हम उसी दिशा में काम कर रहे हैं। दीवार ढहने के बारे में शिवकुमार ने कहा, 'मैं सीधे दोष किसी अधिकारी को दोषी नहीं ठहराऊंगा। यह एक पुरानी दीवार थी और इसके किनारे ढह उठा आर थे। उसी दबाव के कारण यह गिर गई।'

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी कमजोर संरचनाओं की पहचान करने और उनके अनिर्धार के क्षेत्रों को खाली करने के निदेश जारी किए गए हैं, जिसमें रेहड़ी-पट्टीवालों के स्थानांतरित करना भी शामिल है। कर्नाटक के विकिस्था शिक्षा मंत्र शरण प्रकाश पाटिल ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा, 'यह बहुत गंभीर मामला है। निर्दोष लोग प्रभावित हुए हैं।'

एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं, अंतिम फैसला जनता के मतों से होगा : प्रियांक खरगे



जाता कि उनकी पार्टी के केरल, तमिलनाडु और असम में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि चुनावी माहौल और जनता की प्रतिक्रिया के आधार पर पार्टी को वापसी की उम्मीद है। 4 मई को परिणाम आने के बाद स्थिति साफ हो जाएगी। उससे पहले कुछ भ्रम फैलाना नहीं है। इसके अलावा उन्होंने हाल की प्राकृतिक आपदाओं के भी निराशा जताया और कहा कि ऐसी परिस्थितियाँ दुर्भाग्यपूर्ण होती हैं, जिन पर किसी ने नियंत्रण नहीं होता। उन्होंने बताया कि सरकार अपनी पूरी क्षमता से बुनियादी ढांचे को सुचारु बनाए रखने और लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कर रही है।



2. इसके द्वारा यह सूचित कि कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी या इस आधार पर कि कंपनी भीतर कंपनी अधिनियम 20 आदेश का आवेदन नहीं किया के रूप में पंजीकरण नहीं रख अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था उपर्युक्त कार्यालय के पते पर 30 दिनों के अन्दर लिखित रूप में अपनी आपत्ति दर्ज कराएगी।

जता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्ट्रार से इस आधार पर नाम हटाने का के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं। वर्ष 2012 वित्तीय वर्ष से कारोबार नहीं कर पाई हैं और इस अवधि के की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी चाहते और अतः कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्ट्रार से हटाने का कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर नि आपत्ति प्रकट नहीं है।

इरकान तिकी
उप - पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र



हमारे कार्यकाल में सवा लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली, एक भी पेपर लीक नहीं : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की दूरगामी नीतियों एवं निर्णयों के माध्यम से उच्च शिक्षा तक के स्तर पर आधारभूत संरचनाओं का विकास और विस्तार सुनिश्चित करते हुए बेटियों को सुलभ शिक्षा के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को पाली के रोहट में राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरुकुल संस्थान द्वारा नवनिर्मित कन्या महाविद्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम तथा कन्या गुरुकुल के 10वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इस दृष्टि से यह कन्या महाविद्यालय बेटियों को शिक्षा देने में अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान शर्मा ने स्थानीय क्षेत्र की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए, डीपीआर बनवाने की घोषणा भी की। शर्मा

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप राज्य सरकार ने युवा, महिला, किसान एवं मजदूर के उत्थान को केन्द्र में रखकर प्रदेश के विकास का रौंछमेप बनाया है। इस रौंछमेप में बिजली-पानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, सोम-कमला-अम्बा आदि को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने पाली क्षेत्र की योजनाओं एवं विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। जो वर्ष 2027 तक पूरे प्रदेश में उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख रोजगार के लक्ष्य पर कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। लगभग 1 लाख 25 हजार सरकारी पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है और 1 लाख 33 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया में है। वहीं, डीपीआर बनवाने की घोषणा भी की। शर्मा

किया गया है। निजी क्षेत्र में 3 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक के युवाओं के सपने टूटे, लेकिन हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने एवं उनके सम्मान के लिए प्रभावी नीतियों एवं योजनाओं की रूपरेखा बनाई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान प्रारम्भ किया जिससे बालिका लिंगानुपात बढ़ा। वहीं प्रधानमंत्री उच्चल योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर-नल से जल भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में 23 से 25 मई को ग्लोबल राजस्थान एपीटेक मीट (ग्राम)- 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें किसान, पशुपालक के साथ-साथ देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ, पर नियुक्ति दी जा चुकी है और 1 लाख 33 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया में है। वहीं, डीपीआर बनवाने की घोषणा भी की। शर्मा

आमंत्रित किया। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में 71 नए राजकीय महाविद्यालय खोलने के साथ ही, 185 नए राजकीय महाविद्यालयों के भवनों का लोकार्पण किया है। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 57 महाविद्यालयों के भवन ही बनाए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भवनों के निर्माण, उन्नयन एवं जीर्णोद्धार के लिए 125 करोड़ रुपये स्वीकृत, पीजी स्तर के 50 और यूजी स्तर के 73 महाविद्यालयों में नए विषय प्रारम्भ, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत 330 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत करने के साथ ही, मेधावी छात्राओं को 43 हजार से अधिक स्कूटियों का वितरण किया है। गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को प्रतिनिधित्व अधिकार देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी राजस्थान में आमजन के विकास के लिए महत्वपूर्ण

निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि साध्वी भगवती बाईजी बालिका शिक्षा के क्षेत्र में नेक कार्य कर रही हैं। इनके संरक्षण में कन्या महाविद्यालय प्रारंभ होने से स्थानीय क्षेत्र की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित कन्या महाविद्यालय के भवन का लोकार्पण किया और आंजणी माता मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। साथ ही, उन्होंने गुरुकुल की बालिकाओं से बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में लिए गए निर्णयों एवं योजनाओं पर संवाद किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद पी.पी. चौधरी, तुम्बाराम चौधरी, विधायक हमीर सिंह भायल, जीवाराम चौधरी, अरुण चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड्डाना, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित पीठाधीश्वर साध्वी भगवती बाईजी, दयाराम जी महाराज, पदमाराम जी महाराज, सुमन सुलभ जी महाराज एवं बड़ी संख्या में गुरुकुल छात्राएं और आमजन उपस्थित रहे।



चलती कार में आग लगी, पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चलती कार में आग लग जाने से तीन महिलाओं और एक नाबालिग लड़की समेत पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार रात को लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के मौजपुर के पास हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि पुलिस को कल देर रात वाहन में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा, लगभग 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि सभी हादसे में मारे गए सभी लोग मध्य प्रदेश के शिवपुर जिले के निवासी थे और वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा से लौट रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक कैलाश जिनंदल ने बताया

कि चलती गाड़ी में आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका है। सीएनजी की मौजूदगी से भी आग और भड़क उठी, जिससे वाहन में सवार लोगों को निकलने का मौका नहीं मिला।

मृतकों में तीन महिलाएं, एक नाबालिग लड़की और एक पुरुष शामिल है। मृतकों की पहचान संतोष, उनकी पत्नी शशि, उनकी मां पार्वती, बेटी रागिनी और साक्षी के रूप में हुई है। ये सभी मध्य प्रदेश के शिवपुर जिले के चैनपुरा के निवासी थे। उन्होंने बताया, वाहन से केवल कंकाल बरामद हुए हैं। उनकी पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किए जाएंगे।

कार चालक विनोद कुमार वाहन से कूदने में कामयाब रहा, लेकिन वह लगभग 80 प्रतिशत झूलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस कि उसे पहले पास के एक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में बेहतर निवारण के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।



मुंडन की खुशियां 'मातम' में बदलीं, कार में लॉक होने से 3 साल के मासूम ने तड़पकर तोड़ा दम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'बिलाड़ा (जोधपुर)। एक छोटी सी लापरवाही ने हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को ताड़प्र के गेम में तब्दील कर दिया। जोधपुर के बिलाड़ा कस्बे में बुधवार दोपहर एक रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा सामने आया, जहां पिता की ही कार मासूम के लिए 'काल' बन गई। बैंगलूर की जिस बेटे के मुंडन और नए घर की खुशियां मनाने परिवार गांव आया था, उसी मासूम की अर्थो उठने से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। पंचोलियों का बास निवासी विष्णु जांगिड़ का 3 वर्षीय पुत्र हितार्थ घर के बाहर खेलते-खेलते अचानक गायब हो गया। घर में सलाह की तैयारियों के शोर-शराबे के बीच किसी का ध्यान बच्चे पर नहीं गया। करीब डेढ़ घंटे बाद जब तलाश की गई, तो बच्चा घर के पास खड़ी कार के अंदर बेहोश मिला। वह गलती से कार के अंदर जाकर बैठ गया था और दरवाजा अंदर से लॉक हो गया। भीषण गर्मी

और दम घुटने ने ली जान

परिजनों ने बच्चे को तुरंत स्थानीय ट्रामा सेंटर पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशेषज्ञ के अनुसार बंद कार में तापमान कुछ ही मिनटों में जानलेवा स्तर तक पहुंच जाता है। एयरफ्लो बंद होने के कारण कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर तेजी से बढ़ता है, जो बच्चों के लिए बेहद घातक साबित होता है। बच्चों का शरीर वयस्कों के तुलना में तापमान और ऑक्सीजन की कमी के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। हादसे के वक्त घर में मुंडन संस्कार और गृह प्रवेश की तैयारियां चल रही थीं। परिवार में जश्न का माहौल था, जो एक पल में चीख-पुकार में बदल गया। कितनाहाल इस मामले में पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। यह घटना एक चेतावनी है कि खड़ी कार को कभी भी खुला न छोड़ें और बच्चों को कार के आसपास अकेले न खेलने दें। आपकी एक मिनट की चूक किसी मासूम की जान ले सकती है।

पांच रुपए का नोट 48 लाख में बेचने का झांसा देकर ठगों ने 3.66 लाख हड़पे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर में साइबर ठगों ने एक शिक्षिका से 3.66 लाख रुपए की ठगी की। साइबर थाना पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक शमशेर खान ने बताया कि निजी विद्यालय की एक शिक्षिका ने फेसबुक पर डॉक्टर की तस्वीर वाले पांच रुपए के नोट को 48 लाख रुपए में बेचने का विज्ञापन देखा था। उन्होंने बताया कि पीड़िता के पास डॉक्टर वाला पांच रुपए का नोट था। उसने विज्ञापन पर दिए गए मोबाइल नंबर पर मैसेज भेजा। शमशेर ने बताया कि ठगों ने पीड़िता से नोट की फोटो मांगी। संतुष्ट होने के बाद ठगों ने सबसे पहले प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर 520 रुपए मांगे। पीड़िता से ठगों ने जीएसटी, वाहन शुल्क, खाने पीने तथा अन्य कई प्रकार के शुल्क मांगते हुए तीन

लाख 66 हजार रुपए हड़प लिए। राशि अलग अलग खातों में ली गई। राजस्थान में तेज गर्मी के बीच कई जगह हल्की बूढ़ाबांदी और बारिश

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर भागों में तेज गर्मी के बीच कई जगह हल्की बारिश या बूढ़ाबांदी हुई और आधी चलने से अधिकतम तापमान में आंशिक गिरावट आई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य में कहीं कहीं ऊष्णकैत्री दर्ज होने के साथ ही कहीं कहीं पर बादलों की गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूढ़ाबांदी हुई। सर्वाधिक 20.6 मिलीमीटर बारिश कोटा में हुई। इसके अनुसार, इस समय ज्यादातर भागों में अधिकतम तापमान मामूली गिरकर 40-42 डिग्री दर्ज किया जा रहा है जो इस मौसम के औसत सामान्य तापमान के आसपास है।



शिक्षा मंत्री दिलावर ने ली प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को शिक्षा संकुल में प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने गैर सरकारी विद्यालयों के मान्यता/क्रमोन्नति के लंबित प्रकरण, महिला कार्मिकों या छात्राओं के उत्तीर्ण से संबंधित प्रकरण, 16 सीसीए प्रकरण, एसीबी व पुलिस जांच के प्रकरण, भर्ती परीक्षाओं में उम्मी अयर्थी प्रकरण आदि की वर्तमान स्थिति

की जानकारी ली व लंबित प्रकरणों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। शिक्षामंत्री ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम व प्रवेशोत्सव की भी समीक्षा की। विभाग की ओर से इस वर्ष चार दिवसीय सघन हाउस होल्ड सर्वे व प्रवेशोत्सव के परिणामस्वरूप अब तक राजकीय विद्यालयों में हुए 69 लाख से अधिक नामांकन पर उन्होंने संतोष जताते हुए विभाग को बधाई दी। उन्होंने आगामी समय में आयोजित होने वाले पौधारोपण कार्यक्रम को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव

स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने शिक्षामंत्री को विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। निदेशक माध्यमिक व प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट ने निदेशावली को शिविर लगाकर पाइपलाइन से घरेलू गैस डीपीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक विनाय पाटनी ने बताया कि कोटावासियों को डीपीएनजी कनेक्शन डोरस्टेप पर



राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा में डोरस्टेप शिविरों में घरेलू पाइपलाइन से गैस कनेक्शन : पाटनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा में बहुमंजिला अपार्टमेंट्स सहित आसपास के निवासियों को शिविर लगाकर पाइपलाइन से घरेलू गैस डीपीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक विनाय पाटनी ने बताया कि कोटावासियों को डीपीएनजी कनेक्शन डोरस्टेप पर

उपलब्ध कराने के लिए शिविर कार्यक्रम जारी किया गया है। पहले चरण में एक से 8 मई तक सुभाष नगर प्रथम, विवेकानंद नगर, स्वामी विवेकानन्द नगर और राजीव गांधी नगर में इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। पिछले दिनों जयपुर में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने राज्य की सीजीडी संस्थाओं को अवैयर्सनेस अभियान चलाकर क्षेत्रवासियों को पाईप लाईन से घरेलू गैस सुविधा डीपीएनजी से

जोड़ने की आवश्यकता प्रतिपादित की। प्रबंध निदेशक पाटनी ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा पीएनजी नेटवर्क वाले क्षेत्रों में डीपीएनजी कनेक्शन जारी कर एलपीजी फ्री जोन घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं। आरएसजीएल ने एक मई से 8 मई तक का डोर स्टैप शिविर कार्यक्रम जारी कर दिया है। शिविर के दौरान कोटावासियों को कनेक्शन लेने पर विशेष प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। डीपीएनजी कनेक्शन के लिए कार्यक्रमानुसार शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा।

न्यायालय ने जवाई तेंदुआ अभयारण्य में निर्माण व अनियंत्रित पर्यटन पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में पाली जिले के सुमेरपुर के निकट स्थित जवाई तेंदुआ अभयारण्य में निर्माण, खनन और अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाते हुए कहा है कि तेंदुओं के आवास में हस्तक्षेप संवैधानिक दायित्वों का उल्लंघन है। अदालत ने राज्य सरकार को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा आठ और 18 के तहत जवाई क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने की व्यवहार्यता पर विचार करने का निर्देश भी दिया, जिससे इस क्षेत्र के संरक्षण स्तर को बढ़ाने की संभावना जताई गई है। न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायमूर्ति संदीप शाह की खंडपीठ ने कहा कि पृथ्वी मनुष्य की नहीं है, बल्कि मनुष्य पृथ्वी का है और पर्यावरण संरक्षण केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि संवैधानिक अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार से जुड़ा संवैधानिक दायित्व है। अदालत ने जवाई क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देते हुए नए पर्यटन लाइसेंस पर पूर्ण प्रतिबंध, खनन गतिविधियों पर रोक के साथ साथ कंटीले तार की बाड़

लगाने पर भी प्रतिबंध लगाया है। साथ ही, अदालत की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी निर्माण कार्य पर रोक लगाई गई है। पीठ ने कहा कि तेंदुआ अभयारण्य में नाइट सफारी पर पहले से लगी रोक जारी रहेगी। अदालत ने सफारी संचालन, पर्यटन गतिविधियों और आवास संरक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के मसौदे को तत्काल लागू करने का निर्देश भी दिया और कहा कि यह विशेषज्ञों द्वारा तैयार ढांचा पारिस्थितिकी तंत्र को और क्षति से बचाने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, 'जवाई सफारी एवं इको-टूरिज्म समन्वय समिति' नामक बहु-विभागीय निकाय को तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया है, ताकि विभिन्न प्राधिकरणों के बीच समन्वय और अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। यह निर्देश जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए गए, जिसमें जवाई क्षेत्र में अनियंत्रित इको-पर्यटन, अवैध निर्माण और खनन के कारण तेंदुओं के संवेदनशील आवास पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को उजागर किया गया था। अदालत ने कहा कि लगभग 50 से 70 तेंदुओं का निवास यह क्षेत्र मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक दुर्लभ उदाहरण है, जो बढ़ते मानवीय दबाव के कारण खतरे में है।



जिला कलक्टर ने किया जे.के. लोन बाल चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्य सरकार बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील है एवं उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध भी है। जिला कलक्टर संदेश नायक द्वारा जयपुर स्थित जे.के. लोन बाल चिकित्सालय को औचक निरीक्षण किया गया। यह चिकित्सालय जयपुर का एक प्रमुख एवं बड़ा बाल चिकित्सालय है, जहां बड़ी संख्या में बच्चों का उपचार किया जाता है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय के विभिन्न विभागों एन.आई.सी.यू., आईपीडी, ओपीडी एवं वार्डों

का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रयोगशाला की व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने उपचाराधीन बच्चों के परिजनों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। निरीक्षण में जिला कलक्टर ने पाया कि चिकित्सालय में चिकित्सकीय सेवाएं नियमित रूप से प्रदान की जा रही हैं, हालांकि कुछ व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने मरीजों को समय पर एवं गुणवत्तायुक्त उपचार सुनिश्चित करने, साफ-सफाई एवं स्वच्छता को आर सृष्ट करने, आवश्यक

दवाइयों-उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं परिजनों को बेहतर सुविधा एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश, संबंधित अधिकारियों को दिए। कलक्टर द्वारा चिकित्सालय प्रशासन को यह भी निर्देशित किया गया कि बच्चों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। निरीक्षण के दौरान प्राप्त सुझावों के आधार पर आवश्यक सुधारालम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।



किनारे पर बैठने से कभी मोती नहीं मिलते, गहराई में उतरने के बाद ही सफलता के राज खुलते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेग के नाम पर मनमानी क्यों?

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने किन्नर समुदाय के सदस्यों द्वारा मांगलिक अवसरों पर बधाई या नेग मांगे जाने की प्रथा के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। किन्नरों के पास ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है, जिसके तहत वे किसी से जबर्दस्ती रूपए या तोहफे मांग सकें। हाल के वर्षों में ऐसे मामले काफी घर्चा में रहे हैं, जब किन्नर समुदाय के कुछ सदस्यों द्वारा लोगों से अभद्रता की गई। कई बार तो ऐसी मांगें अभ्रिय घटनाओं का रूप ले लेती हैं। पिछले साल मार्च में एक मामला देशभर में काफी घर्चा में रहा था, जब मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में चलती ट्रेन में किन्नरों के समूह ने एक युवक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार डाला था। युवक का अपराध सिर्फ इतना था कि उसने किन्नरों को रूपए नहीं दिए थे। कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई यूं ही किसी को क्यों दे? क्या किन्नर समुदाय का सदस्य होने मात्र से किसी को यह अधिकार मिल जाता है कि वह दूसरों की कमाई में अपना हिस्सा मांगे? कई जगह किन्नरों की हरकतें मर्यादा को पार चुकी हैं। जब कोई व्यक्ति उन्हें शालीनतापूर्वक मना करता है तो उससे अभद्रता करते हैं। उसके आपत्ति जताने पर धमकाते हैं, अश्लील संकेत करते हैं। अगर किन्नरों का पूरा झुंड होता है तो उस व्यक्ति पर हावी होने की कोशिश करते हैं। क्या यह ज्यादाती नहीं है? किसी व्यक्ति को क्या अधिकार है कि वह दूसरों से ऐसा व्यवहार करे? यह सब बंद होना चाहिए। किन्नर भी इन्सान हैं। उन्हें गरिमापूर्वक जीवन जीने और कमाने का अधिकार है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता, लेकिन उनमें से जो सदस्य रूपए-तोहफे मांगने के लिए मनमानी पर उतर आता है, वह सरासर गलत है।

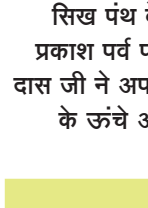
सिर्फ इस आधार पर कि किन्नर समुदाय के लोग वर्षों से बधाई या नेग मांगते आ रहे हैं, यह उनका कानूनी अधिकार नहीं हो जाता है। लोग अपनी खुशी से कुछ दे देते हैं, यह अलग बात है। इस तथ्य को आधार बनाकर लोगों पर धोंस जमाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। इससे टकराव बढ़ता है। कई बार भयानक नतीजे निकलते हैं। कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का एक मामला सुर्खियों में रहा था। वहां किन्नरों ने एक नवजात को करीब तीन घंटे तक अपने पास रखा और ढोल बजाते रहे। ये इस बात पर अड़ गए थे कि मोटी रकम मिलेगी, तो ही बच्चा वापस देंगे। बच्चे के माता-पिता उनकी मांग पूरी नहीं कर सकते थे। इस दौरान बच्चे की तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में किन्नर समुदाय के सदस्यों ने एक परिवार से नेग मांगने के नाम पर बहुत अभद्रता की। जब परिवार ने मांगी गई रकम देने से इन्कार किया तो किन्नर नहीं माने। वे अश्लील हरकतें करने लगे। आखिर में पांच हजार रूपए लिए और महिला की सोने की बाली उतरवा ली। जयपुर के सिंधी कैंप इलाके में एक युवक बस से उतरा। अचानक एक किन्नर ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। उसने युवक की जेब से रूपए निकाल लिए। क्या यह लूट-खसोट नहीं है? युवक ने दूसरी जेब में भी कुछ रूपए रखे थे। अगर वे किन्नर की भेंट चढ़ जाते तो उसके पास किराया तक न बचता। कई ट्रेनों में किन्नरों की खूब मनमानी चलती है। अगर कोई व्यक्ति उन्हें रूपए देने से इन्कार करता है तो उसे जमकर खरी-खोटी सुनाते हैं और अपमानित करते हैं। क्या टिकट लेने के बाद ट्रेन में ऐसा अनुभव होना उस यात्री के अधिकारों का हनन नहीं है? इस संबंध में रेलवे प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए। किन्नर समुदाय के सदस्यों की भी जिम्मेदारी है कि वे अन्य लोगों की तरह कोई हुनर सीखें और अपना कामकाज करते हुए सम्मानजनक तरीके से जीवन बिताएं। किसी को परेशान न करें।

ट्वीटर टॉक



रोजाना पेड़ लगाने के संकल्पों की सीरीज में, आज मैंने स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों के साथ बुधनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम वासुदेव में स्थित रामानंद आश्रम की झोपड़ी में एक पौधा लगाया, जिससे प्रकृति माँ के प्रति अपना फ़र्ज़ पूरा हुआ, जो हमारे लिए माँ जैसी है।

-शिवराजसिंह चौहान



सिख पंथ के तीसरे गुरु, श्री गुरु अमर दास जी के प्रकाश पर्व पर दिल से सलाम और बधाई। गुरु अमर दास जी ने अपने जीवन में बराबरी, सेवा और विनम्रता के ऊंचे आदर्श बनाए। समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाई।

-ओम बिरला



अलवर ज़िले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा बहुत दुःखद और दिल दहला देने वाला है। झड़झड़स मुश्किल समय में, मेरी गहरी संवेदनाएं दुखी परिवारों के साथ हैं। भगवान उन्हें यह बहुत बड़ा दुःख सहने की ताकत दे। घायल नागरिकों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूँ।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सुधार की कला

एक बार एक युवा संगीतकार ने जर्मन संगीतकार लुडविग वान बीथोवेन से कहा कि यह प्रतिभाशाली लोगों जैसा संगीत कभी नहीं रच पाएगा, क्योंकि उसके पास जन्मजात वरदान नहीं है। बीथोवेन ने उसे अपने साथ अभ्यास-कक्ष में बुलाया और कई घंटों तक केवल एक ही धुन को बार-बार सुधारते रहे। युवक उच्च गया और बोला, 'इतने महान कलाकार होकर भी आप एक ही भाग पर इतना समय क्यों देते हैं?' बीथोवेन ने उत्तर दिया, 'क्योंकि महानता अक्सर वहीं छिपी होती है जहां लोग जल्दी आगे बढ़ जाना चाहते हैं।' फिर उन्होंने समझाया कि प्रतिभा आरंभ दे सकती है, पर उकड़हटा धैर्यपूर्ण पुनरावृत्ति, अनुशासन और सूक्ष्म सुधारों से बनती है।' उन्होंने युवक से कहा कि वह प्रतिदिन थोड़ा-सा बेहतर होने का लक्ष्य रखे, दूसरों जैसा बनने का नहीं। कुछ महीनों बाद युवक ने पाया कि उसकी कला में गहराई आ गई है।



बेंगलूरु | शुक्रवार | 01-05-2026



www.dakshinbarhat.com



/dakshinbarhat



/dakshinbarhat

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

घुसपैट से मुक्ति के लिए बंगाल में बदलाव की लहर

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

इस बार पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने जबरदस्त मतदान करके इतिहास रच दिया है। साथ ही अंतिम चरण के मतदान के बाद एग्जिट पोल ने बंगाल और असम में भाजपा की जीत तय कर दी है। बंगाल में तुणमूल को पराजय का सामना करना पड़ता है तो ममता बनर्जी के लिए यह न केवल बड़ा झटका होगा, बल्कि तुणमूल का अस्तित्व वामदलों की तरह रसातल में डूबता दिखाई देगा। दरअसल असम एवं बंगाल में सबसे बड़ा कोई मुद्दा रहा है तो वह घुसपैट और इन राज्यों में बढ़ता इस्लामीकरण है। अनेक रीमांत जिलों में घुसपैट ने दोनों राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व को बिगाड़ दिया है। कई जिलों में मुस्लिमों की आबादी 90 से 95 फीसदी तक पहुंच गई है। इन बदतर हुए हालातों के प्रति नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मतदाताओं को जागरूक किया। हिंदू संदेशवाहनी और आरजीक में हुए महिला दुष्कर्मा के चलते धुंधीकृत हुए। भाजपा ने इन मुद्दों को भुनाने की दृष्टि से आरजीक अस्पताल में दुष्कर्मा व हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देवनाथ को और संदेशवाहनी आंदोलन की चेहरा रहें रेखा पात्र को उम्मीदवार बनाया था। इन महिलाओं की उम्मीदवारी से बंगाल की महिलाओं में संवेदना जगी और बदलाव की लहर बनाने में उनकी प्रमुख भूमिका रही।

इन सब बिंदुओं के उभार ने बंगाल में कुल मतदान को 92.47 प्रतिशत तक पहुंचाकर लोकतंत्र की गरिमा को महिमामंडित करने का काम कर दिया। इसी का परिणाम है कि छह में से पांच एग्जिट पोल बंगाल में भाजपा को स्पष्ट बहुमत दे रहे हैं। ये पोल असम में दूसरी बार भाजपा को एकतरफा जीत का ऐलान कर रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में द्रमुक की जीत लगभग तय है। केरल में कांग्रेस को हरी झंडी दिखाई है। पुडुचेरी में भाजपा को कांग्रेस से बहुत आगे बता दिया है। अर्थात पांच राज्यों में से तीन में भाजपा का उका बजने जा रहा है। मतदान के दौरान निर्वाचन आयोग पूरी तरह चौकन्ना रहा। जहां से भी गड़बड़ी की खबर मिली, तुरंत एक्शन लिया। इस कारण लंबे समय तक अराजक तत्वों द्वारा मतदान रोकना संभव नहीं हो पाया। किसी भी झड़प को बड़े संघर्ष का रूप लेने से पहले ही केंद्रीय बलों के जवान उसे नियंत्रित करने में सफल दिखे। पहली बार अमल में लाई गई व्हरित प्रतिक्रिया (रिस्पांच) दल ने भी अपने दायित्व सचाई रूप से दायित्व का पालन किया। बावजूद घण्टी का पता चार मई को आने वाले परिणामों से ही चलेगा।

बंगाल के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि न तो बमों के धमाके हुए और न ही बंदूकों से गोलियां गंजीं। अतएव न रक्त बहा और न ही कोई मौत हुई। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो स्वतंत्र मतदान शांतिपूर्ण रहा। ऐसा 2.40



ओपीनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंशा टटोलने की कोष्णि हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पश्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोशिश है। ओपीनियन पोल बाईदवे शुल्क चुकाकर प्रायोजित ढंग से कराए जा सकते हैं, इसलिए क्योंकि इनके प्रकाशित व प्रसारित होने के बाद मतदाता के रुख को प्रभावित किया जा सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान के चलते कराए जाते हैं, इसलिए ये वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान माने जाते हैं। अतएव कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता।

लाख सैन्य बलों की तैनाती के चलते संभव हुआ। इसीलिए बंगाल में पहली बार लगा कि सही मायनों में लोकतंत्र के इस पर्व में सभी समुदाय के लोग सद्भाव के साथ शामिल हुए हैं। बावजूद बौद्धिक पाखंडी बड़े मतदान को ममता की वापसी बता रहे हैं। दरअसल बंगाल में इसके पहले हुए चुनावों में तुणमूल के कार्यकर्ता और अवैध घुसपैटिए अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हिंदुओं को मतदान नहीं करने देते थे। इस बार सेना की कठोरता के चलते हिंदुओं ने धुंधीकृत होकर मतदान में भागीदारी की। इसलिए इस बार बंगाल में पिछली बार की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक वोट पड़े। ये वोट भाजपा के पक्ष में जाते दिख रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के जरिए भी घुसपैट करके अवैध मतदाता बने करीब 92 लाख मतदाताओं को मत से वंचित कर दिया है। इनमें से बड़ा प्रतिशत तुणमूल के समर्थकों का रहा है, क्योंकि ये लोग जानते थे कि भाजपा आई तो बंगाल से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए मुस्तैद हो जाएगी। तुणमूल के कार्यकर्ता भाजपा और वामदलों के समर्थक मतदाताओं को इसलिए मतदान करने से रोकते थे, क्योंकि यदि ममता हारतीं हैं तो उनके निजी हित प्रभावित होंगे। ममता ने निष्ठावान अनुयायियों को राशन की

सरकारी दुकानों से लेकर नगरीय निकायों व ग्राम पंचायतों से मिलने वाले जायाज-नाजायाज लाभों से जोड़ा हुआ है। इसलिए उनके सामने आजीविका के संसाधनों को बचाए रखने के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बना रहता है। भाजपा चूंकि वामदलों की तरह वामदलों की तरह अनुशासन कार्यकर्ताओं का राजनीतिक दल है। संच के जमीनी स्वयंसेवकों का भी उसे सहयोग मिलता है। ये लोग अपने दल का अस्तित्व बनाए रखने की चिंता के चलते पार्टी के हितों की रक्षा करने को तत्पर रहते हैं।

ओपीनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंशा टटोलने की कोष्णि हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पश्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोशिश है। ओपीनियन पोल बाईदवे शुल्क चुकाकर प्रायोजित ढंग से कराए जा सकते हैं, इसलिए क्योंकि इनके प्रकाशित व प्रसारित होने के बाद मतदाता के रुख को प्रभावित किया जा सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान के चलते कराए जाते हैं, इसलिए ये वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान माने जाते हैं। अतएव कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता। मतदान के बड़े प्रतिशत को अब

तक सत्तारूढ़ दल के खिलाफ व्यक्तिगत असंतुष्टि और व्यापक असंतोश के रूप में देखा जाता था, लेकिन मतदाता में आई बड़ी जागरूकता ने परिदृश्य को बदला है, इसलिए इसे केवल नकारात्मकता की तराजू पर तोलना बड़ी भूल होगी ? सकारात्मक दृष्टि से देखने की भी जरूरत है। मध्यप्रदेश विधानसभा-2023 के चुनाव में लाडली बहना योजना के चलते महिलाओं ने बड़-चढ़कर मतदान किया था, जो भाजपा के पक्ष में स्पष्ट दिखाई दे रहा था। इसलिए मध्यप्रदेश में भाजपा चुनाव जीत पाई थी।

बड़े मत प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर देता है। हालांकि फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। निकट भविष्य में इस उम्मीद की पूरी होने की संभावना भी नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खुशी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जतीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कलांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 80 से करीब 93 प्रतिशत तक होने लगा है। अतएव अगले चुनावों में हम देखेंगे कि जाएगा तो जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत लगभग खत्म हो जाएगी। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाएगा। लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर धुंधीकरण की राजनीति नगण्य हो जाएगी। एसआईआर के जरिए देश से घुसपैटिए बाहर कर दिए जाते हैं तो इस अवैध घुसपैट से जमान उठाने वाले नेताओं की भूमिका को भी लाभ नकार देगी। यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी। क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुगा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होगा। जाहिर है, ऐसे हालात भविष्य में निर्मित होते हैं तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करने को मजबूर होगी, जो समाजिक न्याय और समान अवसर की कवालात करता है। बड़ा मतदान प्रतिशत ही ऐसा प्रमुख कारण है, जिसके चलते एग्जिट पोल इकतरफा नहीं रह गए हैं। क्योंकि इसके सर्वे के नमूने का प्रतिशत बहुत कम होता है। इस आधार पर बड़े मतदाता समूह की मंशा की पड़ताल करना और व्यावहारिक नतीजे पर पहुंचना बहुत कठिन काम है। वैसे भी अब कई सर्वे एजेंसियां क्षेत्रीय पत्रकारों से फोन पर बात करके नतीजों का अनुमान लगाने का तरीका अपना रही हैं। यह कार्यालय सर्वे की वैज्ञानिक प्रणाली को नकारती है। दरअसल क्षेत्रीय पत्रकार किसी न किसी दल या प्रत्याशी से प्रभावित रहते हैं और उसी प्रभाव के चलते वे अपनी राय व्यक्त कर देते हैं, जिसे तटस्थ नहीं कहा जा सकता है। किंतु इस बार के एग्जिट पोल अनुमान के निकट इसलिए खरे उतरेंगे, क्योंकि मतदाताओं का दलगत विभाजन पांचों राज्यों में स्पष्ट दिखाई दिया है।

नजरिया

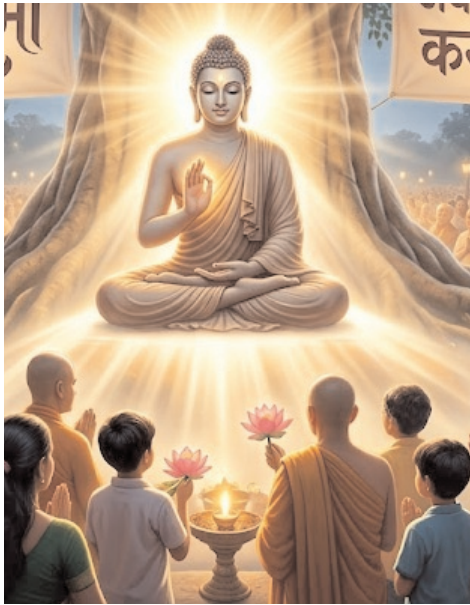
बुद्ध पूर्णिमा : जब मानवता को मिला करुणा का प्रकाश

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 1 मई को है। माना गया है कि 563 ईस्वी पूर्व वैशाख मास की पूर्णिमा के दिन लुम्बिनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। वैशाख मास की पूर्णिमा को ही 35 वर्ष की आयु में उन्होंने बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया। वैशाख पूर्णिमा को ही 80 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध ने उत्तर प्रदेश में कुशीनगर में हिरण्यवती नदी के तट पर महापरिनिर्वाण प्राप्त किया। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में वैशाख मास की पूर्णिमा को 'त्रिविध पावन पर्व' भी कहा गया है और संभवतः यही वजह है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। मान्यता है कि गौतम बुद्ध ने ही आज से करीब ढाई हजार वर्ष पूर्व बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में महात्मा बुद्ध ने दुनियाभर में धृम-धूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए। उनका अंतिम उपदेश था कि सुजित वस्तुएं अस्थायी हैं, अतः विवेकपूर्ण प्रयास करो। उनका कहना था कि मनुष्य की सबसे उच्च स्थिति वही है, जिसमें न तो बुद्धिपा है, न किसी तरह का भय, न चिन्ताएं, न जन्म, न मृत्यु और न ही किसी तरह के कष्ट और यह केवल तभी संभव है, जब शरीर के साथ-साथ मनुष्य का मन भी संयमित हो, क्योंकि मन की साधना ही सबसे बड़ी साधना है।

गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। शाक्य वंश से संबंध होने के कारण उन्हें शाक्यों का संत' भी कहा गया। सिद्धार्थ के पिता राजा शुद्धोधन थे, जो कपिलवस्तु के शाक्यवंशीय राजा थे। कपिलवस्तु हिमालय की तराई में एक विशाल गणराज्य था, जो आज नेपाल में है। राजा शुद्धोधन की दो रानियां थीं, जिनमें महामाया बड़ी और प्रजापति गौतमी छोटी थीं। रानी महामाया जब गर्भवती हुईं तो उस समय के शाक्य



समाज के रीति रिवाजों के अनुसार प्रसव के लिए वह प्रजापति गौतमी के साथ अपने मायके देवदह जा रही थीं, किन्तु रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और लुम्बिनी वन में ही शाल के दो वृक्षों के बीच उन्होंने एक अति सुंदर तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया। पुत्र जन्म के पश्चात दोनों रानियां कपिलवस्तु लौट आईं। इसी बालक का नाम सिद्धार्थ रखा गया।

सिद्धार्थ के जन्म के कुछ ही समय पश्चात एक बहुत पहुंचे हुए संन्यासी ने राजा शुद्धोधन को बताया कि यह बालक या तो बहुत महान चक्रवर्ती सत्ता बनेगा या फिर समस्त सांसारिक मोह-माया का परित्याग कर एक महान संन्यासी बनेगा और विश्व का महान उद्धारक साबित होगा। बालक के संन्यासी बनने की बात सुनकर राजा शुद्धोधन बहुत चिंतित हुए। उन्होंने सिद्धार्थ को मोह-माया और सांसारिक सुखों की ओर आकर्षित करने के लिए उनके समक्ष भोग विलास तथा ऐश्वर्य के समस्त संसाधनों का ढेर लगा दिया, लेकिन सिद्धार्थ हमेशा शांत और ध्यानमग्न ही रहा करते। अतः यही सोचकर कि कहीं सिद्धार्थ का मन सांसारिक सुखों से उचाट होकर पूरी तरह से वैराग्य में ही न लग जाए, राजा शुद्धोधन

बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे, लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया, परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया और एक दिन वे मन की शांति पाने के उद्देश्य से व्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोह-माया और ममता का परित्याग कर पूर्ण संन्यासी बन गए।

ने कम उम्र में ही एक अतिसुंदर, सुशील, अति तेजस्वी सर्वगुण सम्पन्न राजकुन्या यशोधरा के साथ उनका विवाह कर दिया। विवाह के पश्चात सिद्धार्थ गौतम को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और पुत्र का नाम रखा गया राहुल। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे, लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया, परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया और एक दिन वे मन की शांति पाने के उद्देश्य से भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोह-माया और ममता का परित्याग कर पूर्ण संन्यासी बन गए। बुद्ध ने अपने घर-परिवार का परित्याग कर दिया और सत्य तथा ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप व उपवास किए और सुखकर कांटा हो गए, किन्तु उन्हें ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। अतः उन्होंने एक दिन संन्यास छोड़ दिया और उनके

शिष्य भी एक-एक कर उनका साथ छोड़ गए। उसके बाद गौतम बुद्ध ने शारीरिक स्वस्थता तथा मानसिक शक्ति प्राप्त की और फिर वे बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधवृष्टि जाग्रत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुभव दृश्य देखा तो वे महात्मा बुद्ध के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगे और इन शिष्यों ने ही उन्हें पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह 'वृक्ष बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को महात्मा बुद्ध' कहा गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasadur Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar. ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वरीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पातों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिक को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। — दक्षिण भारत राष्ट्रमत



जीतो लेडीज विंग व कनेक्ट ने आयोजित किया 'नायाब मिधा लाइव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो) साउथ व नाथ लेडीज विंग व लेडीज विंग चेन्नई प्लस के सहयोग से कला एवं संस्कृति पहल के अंतर्गत 'नायाब मिधा लाइव' का आयोजन एक होटल में किया गया जिसमें कला, कविता, संवेदनाओं और आत्मीय जुड़ाव से संबंधित प्रस्तुतियां हुईं। नाथ लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने स्वागत करते हुए चेन्नई प्लस टीम के विशेष प्रयासों की

सराहना की। चेन्नई प्लस की चेयरपर्सन श्रद्धा सुराणा ने कार्यक्रम में आगामी तीन दिवसीय लेडीज विंग कनेक्ट हेतु सभी को आमंत्रित किया। मुख्य सचिव प्रियंका बरडिया एवं सहसंयोजिका नेहा लोढा ने भी अधिकधिक सहभागिता का आग्रह किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अपेक्स वर्किंग कमेटी सदस्य नरेंद्र समर, साउथ के वाइस चेयरमैन महेंद्र जियाणी एवं राजेंद्र दांतेवाडिया, नाथ के वाइस चेयरमैन दिनेश बाफना, नेमीचन्द दलाल, राकेश पोखरना, जयचंद बाफना सहित यूथ विंग प्रतिनिधियों की उपस्थिति थी। नाथ एवं साउथ की

मुख्य सचिव क्रमशः रक्षा छाजेड़ एवं निधि पालेरचा ने संचालन किया। केकेजी की लेडीज विंग की संयोजिका पिंगी जैन ने लेडीज विंग कनेक्ट के लिए पूर्ण समर्थन का आभार प्रदर्शित किया। इस अवसर पर अपेक्स संयोजक अनीता पिराल, सुनीता गांधी, पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर एवं ललिता गुलेच्छा सहित दोनों चैप्टर की कोर एवं मैनेजिंग कमेटी की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध कवियत्री एवं स्पोकन-वर्ड आर्टिस्ट नायाब मिधा ने हास्य और भावनात्मक कविताओं के माध्यम से श्रोताओं का खूब मनोरंजन किया।



शांति और शकुन से जीने के लिए मैत्रीभावना का हो विस्तार : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

संतों ने कोप्पल से ली विदाई, होस्पेट की ओर बढ़ाए कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। गुरुवार को कोप्पल से होस्पेट की पदयात्रा के लिए प्रस्थान करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में मैत्रीभावना का सर्वाधिक विकास होना चाहिए। शांति और शकुन से जीने के लिए यही एकमात्र मार्ग है मैत्री। जब सृष्टि की सभी जीवात्माओं के प्रति शुद्ध मैत्री की स्थापना होती है, तभी व्यक्ति का वास्तविक आध्यात्मिक विकास होता है। सामान्यतया हम सबकी मित्रता ऐसी नहीं होती। वह कुछ लोगों के प्रति होती है, सबके प्रति नहीं होती। हमारी मित्रता पड़ोसी, सहपाठी, व्यापारी या सहयोगी होने के नाते होती है अथवा व्यसन, खेल, लेनदेन आदि किसी स्वार्थ को लेकर। ऐसी मित्रताएं हितकारी हो, यह आवश्यक नहीं है। इन मनोरंजक या स्वार्थपरक मित्रताओं से आध्यात्मिक उन्नति का कोई वास्ता भी नहीं होता। भगवान महावीरस्वामी का उपदेश है कि

जीवन में चाहकर मैत्रीभावना का विस्तार किया जाना चाहिए। वह कुछ लोगों से आगे बढ़कर सर्वजीवों तक पहुंचना चाहिए। परार्थ या परमार्थ की भूमिका पर निःस्वार्थ भावों से मैत्री का विकास ही आध्यात्मिक उन्नति का साधना-पथ है। उन्हीं ने कहा कि मैत्रीभावना से ही जीवन में कठोरता, क्रूरता, शत्रुता, झूठ, चोरी, बेईमानी, दुर्जनता, हिंसा आदि दूषित तत्वों को कमजोर किया जा सकता है। आधुनिक युग की विषमताओं और परेशानियों का मुख्य कारण लोगों में मैत्रीभावना का अभाव है।

मैत्री में ही शांति है, निर्भयता है, जीवन का अनुदा आनंद है। मैत्रीभावना भीतर बहता एक ऐसा प्रांजल अमृतस्रोत है, जिसकी शीतलता की दिव्य अनुभूति शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे कहा कि शत्रुता के दुःख असीम हैं। ज्यों ज्यों शत्रुता बढ़ती है, जीवन की शांति और आनंद की अनुभूति नष्ट होती जाती है। इस तथ्य का अनुभव हम अपने आसपास

परिवार, बिल्डिंग, मोहला, बाजार, समाज, शहर, राज्य और देश में कर सकते हैं। आधुनिक मनुष्य पढ़-लिखकर विद्वान तो बन रहा है, लेकिन जीवन के मूलतत्त्व मैत्रीभावना को विस्मृत कर रहा है। यह बहुत भारी गलती हो रही है। मैत्रीभावना की कमी ने जीवन का मजा किरकिरा कर दिया है। मुनिसुव्रतस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के अध्यक्ष धीसुलाल मेहता ने बताया कि आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी व सद्वर्ती मुनियों ने कोप्पल से गुरुवार को सुबह होस्पेट, बलारी, रायचूर के लिए पदयात्रा प्रारंभ की। सकल संघ ने उन्हें मंगल भावनाओं के साथ विदाई दी।

जैनाचार्य ने सभी को मंगलपाठ सुनाकर आशीर्वाद प्रदान किया। अनेक लघुक संतों के साथ पदयात्रा में सम्मिलित हुए। जिन्नीगरे के सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने श्रमणपुंढ का स्वागत किया। इस अवसर पर कोप्पल व होस्पेट जैन संघ के पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

तमिलनाडु और केरल में कांग्रेस की साझेदारी वाले गठबंधनों को मिलेगा बहुमत : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु और केरल विधानसभा चुनावों में पार्टी की साझेदारी वाले गठबंधनों के स्पष्ट बहुमत हासिल करने की बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि असम में नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 'एजिटेड पोल' के अनुमान से अधिक सीटें मिलेंगी। खरगे ने कहा कि पुडुचेरी में कांग्रेस ने कड़ा मुकाबला किया है, जबकि पश्चिम बंगाल में लड़ाई पार्टी की स्थिति मजबूत करने के लिए रही है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के तहत मतगणना चार मई को होगी।

खरगे ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा, कुछ जगहों पर एजिटेड पोल के नतीजे स्पष्ट दिख रहे हैं, लेकिन कुछ परिणामों ने भ्रम की स्थिति पैदा की है। मेरा मानना है कि 'तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कळगम (द्रमुक) को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। मैंने वहां के लोगों से बात की है। इसी तरह केरल में हमारे लोगों ने बताया है कि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को बहुमत मिलेगा।'



कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'एजिटेड पोल में, असम में हमें अपेक्षा के अनुरूप सीटें नहीं दी गई हैं, लेकिन मुझे भरोसा है कि हमें उनसे अधिक सीटें मिलेंगी। पुडुचेरी में हमने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल इंडिया एन आर कांग्रेस के खिलाफ बराबरी की लड़ाई लड़ी है। वहां भी हमें उम्मीदें हैं। यह कड़ा मुकाबला रहा है, कुछ दिन इंतजार करते हैं।'

पश्चिम बंगाल के बारे में उन्होंने कहा कि एजिटेड पोल और आंतरिक सूचना के अनुसार मुकाबला कड़ा रहा है। खरगे ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार तृणमूल कांग्रेस (द्रमुक) को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने केंद्रीय बलों की तैनाती

के जरिए दमन करने और डराने-धमकाने की कोशिश की, ताकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी जा सके। उन्होंने कहा, कांग्रेस के लिए, पश्चिम बंगाल में हमारी शुरु से ही लड़ाई रही है। हमने वहां पहली बार अकेले चुनाव लड़ा है। हमारी लड़ाई पार्टी के हित और उसके विस्तार के लिए रही है।

खरगे ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, विधानसभा चुनावों के नतीजे पार्टी की अपेक्षाओं के अनुरूप होंगे। उन्होंने कहा, 'अभी तीन दिन बाकी हैं। अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा। कुछ दिन इंतजार करें, तत्पश्चात् साफ हो जाएगा।' बुधवार को जारी कई एजिटेड पोल में असम में भाजपा की प्रचंड जीत और पश्चिम बंगाल में उसे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर बढ़त मिलती दिखायी गई है, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक के सत्ता में बने रहने तथा केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ की 10 साल बाद वापसी का अनुमान जताया गया है। हालांकि, कुछ संघर्षक्षेत्रों में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की बड़ी जीत और तमिलनाडु में त्रिंशकु विधानसभा की संभावना भी जताई गई है। लगभग सभी एजिटेड पोल में पुडुचेरी में राजग सरकार की वापसी का अनुमान जताया गया है।



'सकारात्मक ऊर्जा के संचार का केंद्र होती है मंदिर की ध्वजा'

मैसूरु के सुविधिनाथ राजेंद्र जिनालय पर हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में लाभार्थी मोहनबाई-रिखबचंद क्षत्रिय वोहरा परिवार की ओर से बुधवार को सुविधिनाथ राजेंद्र जिनालय के शिखर पर 18वां ध्वजारोहण किया गया। मंदिर में स्थापित प्रभु प्रतिमा

के आगे सुबह राजेंद्र संगीत मंडल, राजेंद्र महिला मंडल, राजेंद्र बालिका मंडल ने सत्तरभेदी पूजा पढ़ाई। धार्मिक गुरु ने विधि विधान कराते हुए मंदिर शिखर पर ध्वजा का महत्व बताया और कहा कि जैन धर्म में हर वर्ष मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण या ध्वजा परिवर्तन एक अत्यंत पवित्र और हर्षोल्लास का उत्सव है। यह कार्यक्रम जिनशासन की प्रभावना, धर्म की विजय और आध्यात्मिक

गौरव का प्रतीक है। ध्वजा विशेषकर केसरिया, श्वेत या पंचवर्णी को जिन मंदिर का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा के संचार का केंद्र होता है। शिखर पर लहराती ध्वजा आत्मा के मोक्ष की ओर बढ़ने का प्रतीक है, जो सांसारिक मोह से ऊपर उठने की याद दिलाती है। यह धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर और आत्मा की कर्मों पर विजय का प्रतीक है।

मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वजा से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा आसपास के वातावरण को पवित्र करती है। इस मौके पर उपस्थित साध्वीजी ने जैन तीर्थों की महिमा के बारे में बताते हुए कहा कि पालीताणा जैसे शाश्वत तीर्थों पर दादा आदिनाथ की ध्वजा के दर्शन करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। ध्वजारोहण मात्र एक रस्म नहीं, बल्कि यह याद दिलाने का माध्यम है

कि हमारा जीवन भी धर्म की ध्वजा की तरह हमेशा ऊंचा रहे और हम क्रोध, मान, माया, लोभ जैसे कषायों को त्यागकर सम्यक दर्शन-ज्ञान की राह पर चलते आगे बढ़ें। यह कार्यक्रम समुदाय में एकता और धर्म के प्रति श्रद्धा को और मजबूत करता है। ब्रह्मइस मौके पर सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट मैसूरु के अध्यक्ष शांतिलाल हरण सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।



पुरुष प्रधान मानसिकता ही नारी पर सभी अन्याय और अपराधों की जननी है : संत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को 'वीरांगना सम्मान समारोह' में उपस्थित जनों को संबोधित करते कहा कि शरीर की बाहरी रचना के आधार पर नारी अथवा पुरुष की शक्ति और बुद्धि कम या ज्यादा मूल्यांकन करना सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ करने के समान है। उन्होंने कहा कि पुरुष प्रधान मानसिकता ही नारी पर सभी अन्याय और अपराधों की जननी है। लिंग भेद आधार पर भेदभाव करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। मुनिश्री ने बताया कि पति के होने पर पत्नी को महारानी के रूप में सम्मान मिलता है और उनके पति देवलोकगमन पर बुरा हाल

कर देते हैं, परिवार समाज में अपरासंगिक हो जाती है सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि विधवा को अमंगल, अपसुकन मानकर मंगल काम में उपेक्षा की जाती है यह साक्षात लक्ष्मी सरस्वती और दुर्गा का अपमान है। महापुरुषों की निगाह में शील वल्ल का पालन करती हुई देवी के रूप में पूजनीय मानी गई है। जैन संत ने कहा कि सांभग्यवती नारी के सुहाग के श्रृंगार आभूषण है, एक तो पुरुषों का भी श्रृंगार होना चाहिए जिससे मालूम पड़े कि वह शादीशुदा है।

समारोह की अध्यक्षता सिक्ंदरबाद संघ के प्रमुख संपतराज कोठारी ने की। ब्रह्ममुख अतिथि के रूप में हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी तथा पूर्व अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड, राजेश गोलछा, लालचंद छीगावत, संजयकुमार कचोलिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संघ के मंत्री सुरेश धोका ने संचालन किया।



तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने मनाया 'गणगौर उत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की सदस्याओं ने गुरुवार को शहर के एक रिसोर्ट में 'गणगौर उत्सव' का आयोजन किया। मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि त्योहार, उत्सव हमारी प्राचीन समृद्ध संस्कृति की धरोहर है।

इस उत्सव में अनेक राजस्थानी सांस्कृतिक लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। सदस्याओं द्वारा गणगौर के पारंपरिक गीतों का गान हुआ। इस मौके पर 'गणगौर' है हमारे राजस्थान री शान' विषय पर सदस्याओं ने गणगौर के मनए जाने एवं वर्तमान समय में रीशों में मधुरता बनाए रखने में इस उत्सव की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सोलह श्रृंगार से सुरुजित सदस्याओं को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ पारंपरिक वेशभूषा धारक के रूप में ममता घोषल, दमयंती कटारिया एवं स्नेहा जैन का सम्मान किया गया। इस मौके पर उपस्थित अतिथि अर्चना सुराणा एवं शांति सकलेचा को सम्मानित किया गया।

इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर में धूमधाम से नरसिंह जयंती मनाई गई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर ने 30 अप्रैल को श्री नरसिंह जयंती मनाई। गई। दुनिया में शांति और सुरक्षा के लिए भगवान विष्णु के खास इसान और शेर अवतार, नरसिंह से प्रार्थना की गई। भगवान महाविष्णु ने अपने प्यारे भक्त प्रह्लाद को उसके पिता, राक्षस हिरण्यकश्यप की परेशानी से बचाने के लिए एक भक्त के रूप में नरसिंह अवतार लिया था। गुरुवार को सुबह, शहर भर में इस्कॉन बेंगलूरु के कई भक्तों ने शहर में 108 अलग-अलग जगहों पर अरुणोदय कीर्तन किए, और दुनिया में शांति और सुरक्षा के लिए भगवान नरसिंह का आशीर्वाद मांगा।

इस हरे कृष्ण संकीर्तन मूवमेंट में दुनिया की सभी समस्त्याओं को हल करने की शक्ति है, इसलिए उन्होंने सभी से इस संकीर्तन

मूवमेंट में हिस्सा लेने की रिक्स्ट की। सुबह के जाप के बाद, भक्तों ने बेंगलूरु के तीन बड़े इस्कॉन मंदिरों: हरे कृष्ण गिरि, राजाजीनगर, वैकुंठ गिरि, वसंतपुरा और और शेर अवतार, नरसिंह से प्रार्थना की गई। भगवान नरसिंह की त्योहार की मूर्ति पर एक बड़ा नरसिंह अभिषेक भी किया। इन तीनों मंदिरों में एक अनोखे प्रोग्राम में हजारों भक्तों ने मिलकर भगवान नरसिंह का पवित्र नाम लिया। इस मौके पर, संस्थान के अध्यक्ष मधु पंडित ने कहा, भगवान नरसिंह, जिन्होंने प्रह्लाद को बड़े खतरों से बचाया, हमें हमेशा सुरक्षा दें और हमारे जीवन को शांति, खुशहाली और निडरता से भर दें। भगवान की दहाड़ हमारे दिलों से सारा डर मिटा दे। भगवान नरसिंह की कृपा हम सब पर बनी रहे।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

बेंगलूरु के जैन साधर्मिक सेवा संघ द्वारा पांच दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा के उपलक्ष्य में रविवार को बेंगलूरु टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाजसेवी महेन्द्र मुणोत को आमंत्रण पत्रिका देकर न्योता देते हुए संघ के आशीष बाफना, विकास बाफना, सुनील ओरतवाल, प्रवीण कुमार मुथा, अभिषेक विनायकिया आदि।



बेंगलूरुवासियों का आत्मीय भाव मुझे हमेशा याद रहेगा : मुनि पुलकित कुमार

मुनिद्वय ने बेंगलूरु से विदाई लेकर तमिलनाडु सीमा में किया प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी का गुरुवार को होसूर चेन्नई हाईवे पर तमिलनाडु और केरल के अवर पर मंगल भावना कार्यक्रम तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि गुरुदेव की कृपा से हमारा कर्नाटक में 24 महीने का लंबा प्रवास हुआ जिसमें पहला बलारी तथा दूसरा बेंगलूरु में ऐतिहासिक एवं सक्रिय चातुर्मास रहा। मुनिश्री ने श्रावक समाज की अनुमोदना करते हुए कहा कि यहां के श्रावक समाज ने

हमारे इंगित की आराधना करते हुए आध्यात्मिक धर्म लाभ उठाया है। यहां के श्रावक समाज का आत्मीय भाव मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा।

ऐसे ही आगे भी धर्मसंघ की सेवा में सक्रियता बनाए रखें। पांच नई तेरापंथ सभाओं का निर्माण होने से संघ व संगठन में और ज्यादा मजबूती मिलेगी। तेरापंथ सभा के साथ तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल आदि संस्थाओं की सक्रिय भूमिका रही। मुनि आदित्य कुमारजी ने गौतिका प्रस्तुत की। गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसांली ने स्वागत भाषण करते हुए मुनिश्री के आगामी विहार एवं स्वास्थ्य की मंगल कामना की। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने आभार प्रकट किया।



सत्य और न्याय के प्रबल समर्थक थे आचार्य भिक्षु : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसूर। शहर के तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'तेरापंथ-मेरापंथ कार्यशाला' का आयोजन किया गया। साध्वी संयम लताजी ने कहा कि जैन परंपरा के आध्यात्मिक क्षितिज पर आचार्यश्री भिक्षु जैसे एक ऐसे व्यक्तित्व उभरे जिन्होंने रुढ़ीवादी विचारों से जकड़ धार्मिक जगत को नया मोड़ दिया।

आचार्य भिक्षु सत्य और न्याय के प्रबल समर्थक थे और वे अपने सिद्धांतों के प्रति पूर्ण समर्पित थे।

आचार्य भिक्षु ने सत्य की सुरधि से भुवल को सुरभित किया। उन्होंने अपनी संकल्पना एवं अदम्य साहस से सुविधावाद, सामाजिक रुढ़ियों व विकृतियों से सबको सुसंस्कृत बना दिया।

ऐसे महापुरुष महावीर के सिद्धांतों को समझने का प्रयास करें। साध्वीश्री ने कहा कि विश्व के रंगमंच पर महान परिवर्तन हुए, आचार्य भिक्षु ने साधु आचार्य साध्याचार का सही मार्गदर्शन किया। इस मौके पर मुहं वका महेन्द्र दक ने आचार्य भिक्षु के विचारों, सिद्धांतों एवं व्यवहारिक आचार की व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने लौकिक एवं लोकतंत्र धर्म के बारे में सरल तरीके से समझाया।